Birth Centenary of Mata Bhagwati Devi Sharma

Mata Bhagwati Devi Sharma was born on 19 September 1926 in Agra District, Uttar Pradesh. She was the Co-Founder and Spiritual Guide of the All World Gayatri Pariwar, a dedicated social worker, and a profound source of inspiration for the revival and propagation of Indian cultural and ethical values. She devoted her life to the ideals of personality development, family development and social development, inspiring millions in India and abroad through her penance, simplicity, selfless service and exceptional organisational abilities.

She made pioneering contributions to women's awakening, value-based education, strengthening of family institutions and social reconstruction. She played a pivotal role in the expansion and organisational development of the All World Gayatri Pariwar and encouraged the active participation of women and youth. Under her guidance, numerous social, educational, cultural and spiritual initiatives were undertaken to promote Indian values, cultural consciousness and a sense of social responsibility.

Her life was an exemplary blend of spiritual practice and selfless service to humanity. Through Shantikunj, Haridwar, and various institutions of the Gayatri Pariwar, she provided vision and direction to numerous initiatives aimed at social service, value inculcation and the upliftment of society. Her leadership and inspiration contributed significantly to programmes promoting women's empowerment, youth awakening, moral education, rural development and social harmony. Recognising the importance of value-based higher education, she nurtured the vision that ultimately culminated in the establishment of Dev Sanskriti Vishwavidyalaya, a pioneering university dedicated to integrating modern knowledge with India's timeless spiritual heritage and preparing future generations of ethical leaders.

Her ideals, thoughts and contributions continue to inspire millions of followers and numerous social and cultural organisations. Mata Bhagwati Devi Sharma attained Mahasamadhi on 19 September 1994, yet her ideals, institutions and initiatives for social awareness and upliftment continue to guide and inspire society.

The Department of Posts is pleased to issue a commemorative postage stamp in honour of Mata Bhagwati Devi Sharma on the occasion of her Birth Centenary Year, as a mark of recognition of her lifelong contributions to society and her enduring legacy of spirituality, selfless service and cultural values.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Sh. Brahm Prakash
Text	:	Based on the content provided by the proponent.

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

डाक विभाग
Department of Posts



माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी
Birth Centenary of Mata Bhagwati Devi Sharma

विवरणिका BROCHURE

माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी

माता भगवती देवी शर्मा का जन्म 19 सितंबर, 1926 को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में हुआ था। वह, 'अखिल विश्व गायत्री परिवार' की सह–संस्थापक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक थीं। वह आजीवन एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता और भारतीय सांस्कृतिक तथा नैतिक मूल्यों के पुनरुद्धार एवं प्रचार–प्रसार हेतु परम प्रेरणा स्रोत रहीं। उनका समस्त जीवन व्यक्तित्व विकास, कुटुम्ब विकास और सामाजिक विकास के आदर्शों के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने अपनी तपस्या, सादगी, निःस्वार्थ सेवा और असाधारण संगठनात्मक क्षमताओं के माध्यम से भारत एवं विदेश में लाखों लोगों को प्रेरित किया।

उन्होंने महिला सशक्तिकरण, मूल्य–आधारित शिक्षा, परिवारों को सुदृढ़ बनाने और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में अग्रणी योगदान दिया। इसके अलावा, उन्होंने 'अखिल विश्व गायत्री परिवार' के विस्तार और संगठनात्मक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और महिलाओं एवं युवाओं को सक्रिय भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया। उनके मार्गदर्शन में, भारतीय मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए कई सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहलें आरंभ की गईं।

उनका जीवन आध्यात्मिकता और मानवता की निःस्वार्थ सेवा का एक अनुकरणीय मिश्रण था। उन्होंने समाज सेवा, समाज में मूल्यों की रक्षा और सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से शांतिकुंज, हरिद्वार और गायत्री परिवार की विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से कई पहलें आरंभ की तथा उन्हें अपनी दूरदृष्टि व मार्गदर्शन के माध्यम से सफल भी बनाया। उनके नेतृत्व और प्रेरणा से गायत्री परिवार ने महिला सशक्तिकरण, युवा जागृति, नैतिक शिक्षा, ग्रामीण विकास और सामाजिक सद्भावना को बढ़ावा देने वाले तमाम कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मूल्य–आधारित उच्च शिक्षा के महत्व को लेकर उनके दृष्टिकोण की परिणति 'देव संस्कृति विश्वविद्यालय' जैसे अग्रणी विश्वविद्यालय की स्थापना के रूप में हुई। यह विश्वविद्यालय भारत की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत के साथ आधुनिक ज्ञान को एकाकार करने और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण भावी पीढ़ियां तैयार करने हेतु समर्पित है।

उनके आदर्श, विचार और योगदान आज भी लाखों अनुयायियों एवं कई सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों को निरंतर प्रेरित करते हैं। माता भगवती देवी शर्मा ने 19 सितंबर, 1994 को महासमाधि ली। सामाजिक जागरूकता और उत्थान के उनके आदर्श, उनके द्वारा विकसित संस्थान और शुरू की गई पहलें आज भी समाज को निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान कर रही हैं।

डाक विभाग, माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है। यह डाक–टिकट समाज में उनके जीवनपर्यंत योगदान और आध्यात्मिक शिक्षाओं, निःस्वार्थ सेवा भाव तथा सांस्कृतिक मूल्यों की उनकी चिरस्थायी विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

आभार:

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका

विरूपण कैशे	:	श्री ब्रह्म प्रकाश
पाठ	:	प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री पर आधारित

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	759300
Stamps Printed	:	759300
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00